



118
26/12/88

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 169]
No. 169]

नई दिल्ली, भूगोलवार, अगस्त 23, 1988/ भाद्रपद 1, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 23, 1988/BHADRA 1, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के लिए भी
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

सूचना और प्रसारण भूगोलवार

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1988

सार्वजनिक सूचना सं. 1 पो. आर.एन.पी./88

का. सं. 2/9/88-एम.पू.सी. :—अग्रेल, 1988—मार्च, 1991 के लिए भाद्रपद और नियति के परिशिष्ट-5, भाग-ख के वर्ष 6 के अनुसार भारत सरकार, सूचना और प्रसारण भूगोलवार एवं व्यापार अनुसन्धान में दिए अनुमार वाइसेंसिंग वर्ष अग्रेल, 1988-मार्च, 1989 के लिए अखबारी कागज आवेदन नीति अधिसूचित करती है।

के.एस. बैब्लू, मंत्रीकार्यालय

परिशिष्ट

अखबारी कागज आवेदन नीति, 1988-89

1. नागू होना

यह नीति, ऐसे संशोधनों जो समय-समय पर अधिसूचित किए जा सकते हैं, के अधीन रहते हुए, वाइसेंसिंग वर्ष 1988-89 के द्वैरान अखबारी कागज के आवेदन पर अधिसूचित किए जाएंगे जो समय-समय पर यथा भौगोलिक प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के मानत उपचारों के अनुसार भारत के समाजात्मकों

(नियंत्रण) अधिनियम, 1947, भाद्रपद (नियंत्रण) भाद्रपद, 1955 और अखबारी कागज नियंत्रण अधिनियम, 1962 (समय-समय पर यथा भौगोलिक) लागत है।

2. परिशापा

2.1 इस नीति में समय-समय पर यथा संशोधित प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 में यथा परिमिति “समाजात्मक” का अर्थ ऐसी कोई भी मुद्रित नियन्त्रकालिक कृति होगा जिसमें साक्षात्कार अथवा भारतीय अधिनियम, समाजात्मकों पर टिप्पणिया छपी हैं।

2.2 इस नीति में प्रयुक्त शब्द “अखबारी कागज” में ऐसे कोई अंतर और एसे मुद्रित कैलेन्डर क्रीम कोवर ऐपर जालिया हैं जो इस नीति के अन्तर्गत भारत के समाजात्मकों के पंजीयक द्वारा अधिकृत किए जाएंगे।

3. पात्रता

3.1 ओपन्यासिक आवेदन प्रस्तुत करने पर भागत के समाजात्मकों के पंजीयक द्वारा अखबारी कागज का आवेदन उन समाजात्मकों को किया जाएगा जो समय-समय पर यथा भौगोलिक प्रेस और पुस्तक पंजीकरण अधिनियम, 1867 के मानत उपचारों के अनुसार भारत के समाजात्मकों

के पंजीयक के कार्यालयों में पंजीकृत हैं। नया पंजीकृत समाचारपत्र अखबारी कागज के आवंटन के लिए पंजीकरण की तारीख अथवा आवेदन-पत्र की तारीख से, जो भी बाद में हो, पात्र होगा।

3.2 कोई समाचारपत्र अखबारी कागज के आवंटन के लिए तब पात्र होगा जब वैनिक समाचारपत्र के मामले में उसकी नियमितता 90 प्रतिशत और अन्य आवधिकता के मामले में 66½ प्रतिशत होगी, सिवाए उन मामलों के जिनमें नियमितता की गिरावट प्रकाशक के नियमित से परे के कारणों से अवैत्त हड्डाल, तालाबंदी, काम घीरे करना, दिल्ली की कसी या इसी प्रकार के कारणों से पाई हो।

3.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा अखबारी कागज का आवंटन नियन्त्रित के लिए भी प्राप्तिकृत किया जा सकता है:—

- (1) समाचार एजेंसियों द्वारा टेलीशिटरों पर समाचार का प्रेषण,
- (2) समाचारपत्रों द्वारा मुद्रण परीक्षण, और
- (3) कालेजों और स्कूलों को प्रतिकार्यों का मुद्रण।

3.4 प्रकाशितों की नियन्त्रिति अग्रिम, आहे ये भारत के समाचार-पत्रों के पंजीयक के कार्यालय में समाचारपत्रों के रूप में पंजीकृत हों, इस दीति के प्रत्यागत अखबारी कागज के आवंटन के लिए पापा नहीं होगी:—

- (1) मूल्ययात्रा वस्तुओं अथवा सेवाओं से वित्री को बढ़ावा देने, तो लिए प्रकाशित पत्रिकाएं,
- (2) उपकरणों/फमों/घोषणाएं प्रतिष्ठानों द्वारा प्रकाशित की जाने वालों चर्चेम् पत्रिकाएं/मैगजीन,
- (3) मूल्य सुचियां, सूचियत नियंत्रिकाएं तथा लाटरी समाचार,
- (4) दौड़ गाइड, और
- (5) सैक्स मैगजीन।

4. हक्कारी

4.1 किसी समाचारपत्र/प्राविधिक पत्रिका की लाइसेंसिंग वर्ष 1988-89 के लिए अखबारी कागज की मूल हक्कारी का नियांरित उसके पिछले वर्ष के दौरान अखबारी कागज की अपत, औसत वार्षिक प्रसार संख्या, औसत पृष्ठ संख्या, औसत प्रकाशित दिवसों की संख्या तथा प्रकाशित औसत पृष्ठक्रम के आधार पर किया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष की हक्कारी 365 दिन के हिसाब पर लगाई जाएगी। वर्ष 1987-88 के दौरान राइटिंग और प्रिंटिंग वेपर प्राप्ति पर की गई अपत हिसाब में तभी लाइसेंस जाएगी अब कि वह भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राप्तित अखबारी कागज की मात्रा से अधिक हो।

4.2 समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र के सभी संस्करणों का अर्थात् जिनका बही नाम हो, वही आवधिकता हो उसी भावा में प्रकाशित होते हों भारत उनका स्वामी वही दो प्रथम उत्तरी और दूसरी दो नियन्त्रित जगहों से प्रकाशित हो, को एक साथ मिला दिया जाएगा और उनकी अणी तथा अखबारी कागज की हक्कारी का हिसाब सभी संस्करणों को एक साथ मिलाकर नियमान्वयन के आधार पर लगाया जाएगा।

4.3 भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा जिस समाचारपत्र/आवधिकपत्र को प्रसार संख्या का बाबा असिद्ध घोषित कर दिया गया है, वह अखबारी कागज के लिए तब तक पापा नहीं होगा जब तक उनकी प्रसार संख्या उसी वर्ष में या दानुवर्ती वर्ष के लिए पुष्टि सिद्ध न हो जाए। उन समाचारपत्र/आवधिक पत्रों के मामले में जिनके प्रसार संख्या भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक ने पहले दावा की गई प्रसार संख्या से कम नियांरित किया है उनकी हक्कारी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा नियांरित प्रसार संख्या के आधार पर निकाली जाएगी। ऐसे समाचारपत्र/आवधिक पत्र लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान परिशोधन के हक्कारी नहीं होते। उस समाचारपत्र/आवधिक पत्र के मामले में जिनके बारे में यह पत्र जाता है कि उसने अपने नियमान्वयन प्रथम प्रसार संख्या का अस्तित्व

विवरण दिया है उसे विशिष्ट अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है के लिए नीचे दर्शाए गए तरीके से अखबारी कागज के आवंटन से अविस्त किया जा सकता:—

अस्थायित	के लिए अवधि
(1) 10 प्रतिशत तक	सूट
(2) 10 प्रतिशत से अधिक एवं 25 प्रतिशत तक	3 महीने
(3) 25 प्रतिशत से अधिक एवं 50 प्रतिशत तक	6 महीने
(4) 50 प्रतिशत से अधिक एवं 75 प्रतिशत तक	9 महीने
(5) 75 प्रतिशत से अधिक	एक वर्ष

4.4 (क) जो नया प्रावेदक प्रथम बार प्रकाशन कुरु करता है या अप्याय प्रथम बार भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन करता है उसकी भार महानों के लिए अखबारी कागज के उत्तरे प्रारम्भिक कोटों का अनुमति दी जाएगी जितना आवेदक द्वारा बताई गई प्रवार संख्या से संतुष्ट होने पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा नियांरित किया जाए। किन्तु वह देनित समाचारपत्रों के मामले में भार मानव पृष्ठों (2480 वर्ग सं.मी.) के प्रति एक का 10,000 (इस हजार) प्रतियों भीर आवधिक पत्रों के मामले में 16 मानक पाठों से अधिक नहीं होगा। अखबारी कागज का प्रारंभिक कोटा प्राप्त करने वाले समाचारपत्र द्वारा अखबारी कागज जारी करने के तीन महीने के बाद एक पदवार के अन्दर आवंटित अखबारी कागज के उचित प्रयोग का प्रभाग कार्य एन.पी. २ में प्रस्तुत किया जाता जातिए। उसके बाद लाइसेंसिंग वर्ष के लिए उसकी हक्कारी का नियांरित बास्तविक नियमान्वयन के आधार पर किया जाएगा तथा वाकी कीटा यदि कोई हो, आपचारिक रूप से आवेदन-गत प्रस्तुत करने पर रिलीज किया जाएगा।

4.4 (ख) ऐसा समाचारपत्र जो गत वर्ष अखबारी कागज के लिए आवेदनपत्र प्रस्तुत करने में प्रसफल रहा हो उसे नया प्रावेदक समझा जाएगा जब तक यह प्रसफलता प्रकाशक के नियमित से परे के कारणों से न हो तथापि, अज्ञवरो कागज आवंटन के लिए ये प्राप्तिया ऐसे समाचारपत्रों पर लागू नहीं होगा जिनका आवंटन भिलाकर एक कर दिया है।

4.4 (ग) अखबारी कागज के आवंटन के लिए ऐसा समाचारपत्र जो आवेदक समझा जाएगा जब तक यह प्रसफलता प्रकाशक के नियमित से परे के कारणों से परिवर्तन किया हो।

4.4 (घ) नया प्रावेदक प्रपत्रे आवेदनपत्र की भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में प्राप्त होने की सिधि से अखबारी कागज प्राप्त करने का हक्कारी होगा।

4.5 समाचारपत्र की प्रसार संख्या का नियांरित (क) विकी प्रतियों की संख्या और (ख) नियांरित प्रतियों की संख्या, जिनकी विकी की संख्या और न ही विकी और न ही नियांरित प्रतियों की संख्या को हिसाब में लेकर किया जाएगा, वर्षां की विकी संबंधित मृदुग आवेदन की नियन्त्रित प्रतिशतता से अधिक न बढ़े:—

प्रसार संख्या	देविति/साप्ताहिक	साप्ताहिक	प्रथम
5,000 तक	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत	20 प्रतिशत
5,001 से 10,000 तक	10 प्रतिशत	10 प्रतिशत	15 प्रतिशत
10,000 से अधिक	5 प्रतिशत	5 प्रतिशत	10 प्रतिशत

4.6 मूल हक्कारी कागजनी में भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक, और सा वे प्रारंभिक मासिले में उचित समर्थन और सामान्य औसत खपत पर विश्वास करके निम्नलिखित की उपेक्षा कर सकते हैं:—

(1) प्रसारसंचय में असाधारण प्रत्यक्षिक पिराशट, जो विशेष परिस्थितियों, जिनमें हृदयात्रा/ तालावर्मी या इसी प्रकार के मन्द कारण शामिल हैं, से दुर्ब दूर, और

(2) प्रतियोगी समाचारपत्रों के अन्दर होने/उनके लायं में अवधान हो जाने या किन्तु अन्य असाधारण परिस्थितियों से प्रसार संचय में असाधारण बुद्धि:—

4.7 यदि किसी समाचारपत्र ने किसी भी पिछले वर्ष के दौरान अपने को आवंटित अखबारी कागज की किसी मात्रा का उत्तरोग नहीं किया है तो अप्रस्तुत मात्रा को उसकी 1988-89 की अखबारी में से काट लिया जाएगा।

4.8 समाचारपत्रों को छीजन और अतिरूपि के रूप में निम्नलिखित सीमा तक अतिरिक्त अखबारी कागज दिया जाएगा:—

(1) सभी समाचारपत्रों के लिए 5 प्रतिशत।

(2) बहुरंगी मुद्रण के मासिले में आवधिक पत्रों के लिए 7 प्रतिशत।

4.9 छीजन की अतिरूपि को निनाकार आवासित अखबारी कागज और स्वदेशी कागज के लिए नन्दन-पत्रों की मूल हृदयरी 5) भारत प्रति वर्ष मीटर के आधार पर निकाली जाएगी। अखबारी कागज यामों के अनुरूप अनुमानिक वृत्तान्तज्ञन के बाद ही यही रूप से आरी किया जाएगा।

5. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की प्रक्रिया

5.1 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र अकाउंट द्वारा या इस निम्नित उसके द्वारा विविह प्रतिकृत अकित द्वारा काम एन. पी. -1 अंडर एन. पी. -2 में दिए जाने चाहिए प्रीर वे भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक, वेस्ट लॉक-6, विंग-2, रामकृष्णपुरम, नई विलासी को संबोधित किए जाने चाहिए।

5.2 अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन पत्र के साथ (क) काम एन. पी. -2 में पिछले वर्ष का नियावन विवरण का प्रमाण-पत्र (व) कलेजर कर्ष 1987 के वार्षिक विवरण की एक प्रति जो सब तरह से पूर्ण हो न्या (ग) भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा उल्लिखित समाचारपत्र के अंकों की नमूना प्रति। जिस समाचारपत्र की भौमिक प्रसार संघर्ष प्रति प्रकाशन विवर 2,000 प्रतियों से अधिक है, उसका नियावन विवरण प्रमाणपत्र आर्डे एकाउंट द्वारा विवरत् हस्ताक्षरित होना चाहिए।

5.3 प्रारम्भिक कोटे के लिए आवेदन-एवं समाचारपत्रों द्वारा पैया 4.4 (क) द्वारा काम एन.पी.बृ. में दिया जाना चाहिए।

प्रक्रिया तारीख

1 वर्ष 1988-89 के लिए अखबारी कागज के आवंटन के लिए आवेदन-पत्रों के प्राप्त होने की भौमिक तारीख 30 निवांश, 1988 है।

6.1 इसके बाद आप्स होने वाले सभी आवेदन-पत्र मर्कोहूत किए जा सकते हैं। हालापि, आवेदक द्वारा वंश कारण दिए जाने पर और देही आवेदक के कारण न हो तो भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक गुणागुण अनुसार आवेदन पत्र विचार कर सकते हैं। ऐसे मासिलों में अखबारी कागज भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में आवेदन प्राप्त होने की सारीय से दिया जाएगा।

7. प्रखबारी कागज का आवंटन

7.1 अखबारी कागज का आवंटन साधारणतः रीलों में किया जाएगा। नथापि, शीट फैड मशीन पर फुट्रिन होने वाले समाचारपत्र ही अपनी हक्कारी केवल शीटों में प्राप्त करेंगे। यदि शीटें आलब्द नहीं हैं तो वह प्रमाण देने पर कि बूद्धि नास्तप में शीटों में ही हुआ है, रीलों को शीटों में घटने के लिए हक्कारी में 5 प्रतिशत की बूद्धि की जाएगी।

7.2 200 मीट्रिक टन या उससे कम हक्कारी वाले समाचारपत्रों को स्वदेशी या आवासित अखबारी कागज की पूरी या आंशिक रूप में उठाने का विकल्प होगा।

7.3 (क) जिस समाचारपत्र को हक्कारी 200 मीट्रिक टन से अधिक है, उसके लिए अखबारी कागज का आवंटन निम्नानुसार होगा:—

आवासित	32 प्रतिशत
मैसूरपेट मिल्स लि.	17 प्रतिशत
हिम्मुसानन्धूजिप्रिट मिल्स लि (केरल)	19 प्रतिशत
तमिलनाडुम्मूजिप्रिट एण्ड पेपर्स लि.	17 प्रतिशत
नेशनल म्मूजिप्रिट एण्ड पेपर लि (नेपा)	15 प्रतिशत

उपरोक्त प्रतिशतता निर्देशक है। आवासित अखबारी कागज तभी दिया जाएगा जबते कि विदेशी नुमा उपलब्ध हो। आवासित अखबारी कागज की उपलब्धता में कमी होने पर समाचारपत्र को भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा दिए गए समस्त आवंटन में से कीम बोके पेर लेने का विकल्प होता।

7.3 (ब) श्री राजकीय वेरर मिल्स प्रा. लि. द्वारा उत्पादित अखबारी कागज, इस नीति के पैरा 9 में उल्लिखित बकाया मात्रा के लिए उपयोग में लाया जाएगा और गुणाग्र के आधार पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा तथ्य आवंटन का नियंत्रण दिया जाएगा।

7.4 आवासित अखबारी कागज का 25 प्रतिशत राज्य ध्यापार नियम के बकर स्टाक से उदाया जाना चाहिए। जिन समाचारपत्रों/ध्यापिकों की वार्षिक हक्कारी 50 मीट्रिक टन या उससे कम है उनको पूरी मात्रा या आंशिक मात्रा बकर स्टाक से उदाये का विकल्प होगा।

7.5 केवल उन आवधिक पत्रों को ही जिनका प्रकाशन नियमित रूप से होता रहा है और उनकी बहुरंगी मुद्रण की आवश्यकता हो, उनको ग्लोब अखबारी कागज आंशिका सुपर क्लेप्पर कीम बोके पेर आवंटित किया जा सकता है, बल्कि कि वह अपलब्ध हो। नए आवेदनों पर गुणावगुण आधार पर विचार किया जाएगा।

7.6 उस नए आवेदक को, जो पहली बार प्रकाशन आरम्भ कर रहा है या अन्यथा भारत में समाचारपत्रों के पंजीयक के पास पहली बार अखबारी कागज के लिए आवेदन करता है, उसको आवेदन-पत्र प्राप्त होने की तारीख से पहले आप्स वाले समाचारपत्रों के पंजीयक कागज ही आवंटित किया जाएगा। आगे की हक्कारी जो केवल तब ही रिलीज किया जाएगा जब इस वाले का प्रमाण हो दिया जाएगा कि स्वदेशी अखबारी कागज का रिलीज किया जा सकता है वेरर लिंग विवर लिया गया है और उन्हें समाचारपत्र द्वारा वास्तव में उड़ा लिया गया है।

7.7 ऐसे कारणों में यथा अखबारी कागज की ऊपरता, बहर एवं के अनुरक्षण या अन्य कारण से विविध स्रोतों से आवंटन में गोपनीयता नियमित किया जा सकता है।

7.8. यदि ग्राम्य व्यापार निगम को "लैंटर्न थांक ट्रेडिंग" के प्राप्त होने के 120 दिन के भीतर पोत लदान कार्यालय नहीं हो जाता तो अनुपातिक माला को हाई सील दे आदार पर बफर स्टाक में आवंटित करने का प्रयत्न किया जाएगा जिसकी बाद में प्रतिपूर्ति की जाएगी।

8. वितरण

8.1 आयातित अखबारी कागज के वितरण संबंधी कार्य पूर्णतया ग्राम्य व्यापार निगम द्वारा उस प्रकार से किया जाएगा, जिस प्रकार इस नीति के अनुसार तथा अखबारी कागज नियंत्रण आदेश, 1963 के उपर्युक्तों के अनुसार भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राप्तिका किया जाएगा।

8.2 जिस समाचारपत्र को हाई सी सेल ही आदार पर आवंटित किया जाता है उसे सीधे या अपने विधिवत् प्राधिकृत एजेंट/एजेन्टों की माफ़न डिलीवरी सेने की अनुमति होगी।

8.3 शौपकारिक आवेदन के साथ पिछले प्राधिकार पत्र के अनुसार आवंटित समाचारी कागज को उठाए जाने के प्रमाण-पत्रकी प्राप्ति पर भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अखबारी कागज की हक्कारी के प्राधिकार पत्र द्विमात्री आदार पर जारी करें। स्वदेशी अखबारी कागज की हक्कारी के लिए प्राधिकार पत्र सीधे संबंधित मिलों को जारी किए जाएंगे। यदि किसी समाचारपत्र की वार्षिक हक्कारी 50 मीट्रिक टन या इसमें कम ही सी आश्रू के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक में इस प्रकार के समाचारपत्रों की वार्षिक आदार पर या जैसा भी अस्थिया उपयुक्त समझ जाए, अखबारी कागज का आवंटन कर सकता है।

8.4 समाचारपत्र को प्रत्यना आवंटन हाई सी सेल प्रथमा बफर स्टाक अखबार स्वदेशी मिलों से प्राधिकार पत्र के जारी होने की तरीका से 3 माह के भीतर उठाना होगा। जहां कहाँ सी लागू हो समाचारपत्रों के लिए यह आवश्यक है कि वह पहले स्वदेशी माला उठाए। अनुचर्ती तिमाहियों के लिए आवंटन पिछली तिमाही (यों) के दौरान उठाए गए अखबारी कागज के प्राधार पर किया जाए गा और निर्धारित स्वदेशी अखबारी कागज मिलों में से नहीं उठाई गई माला के अनुसार में आयातित अखबारी कागज रोक लिया जाएगा। लाइसेंसिंग वर्ष के अन्त में स्वदेशी कागज को न उठाने के कारण आयातित अखबारी कागज की जितनी भी माला रोकी गई हो, वह स्वदेशी कागज की न उठाई गई माला सहित, मिलने से बंचिल हो जाएगी।

8.5 प्रत्येक भारत में गुणवत्ता के आदार पर विचार करने हुए भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक द्वारा प्राधिकार के पुनर्वैधीकरण की अनुमति साइरेंसिंग वर्ष के दौरान दी जाएगी।

8.6 यदि यह पाया जाए कि किसी समाचारपत्र ने उस स्वदेशी अखबारी कागज औं, उसे आवंटित है, के उठाने के बारे में इस प्रमाण-पत्र दिया है तो उसे नियिक अवधि, जो एक वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, के लिए अखबारी कागज के आवंटन से बंचिल किया जा सकता है।

9. बकाया माला

9.1. वर्ष 1980-81 को अखबारी कागज आवंटन नीति के वेरा 9.1 के अनुसार वर्ष 1982-83 से 1985-86 तक की बकाया माला की न दी गई माला की तीसरी और अस्तित्व किया 1988-89 की लाइसेंसिंग अवधि में केवल उन्हीं समाचारपत्रों को दी जाएगी जिन्होंने उक्त बकाया माला की पहली और दूसरी किश्त उठा ली हो। स्टैम्प्ड अखबारी कागज की बकाया माला स्वदेशी भोजी से दी जाएगी जबकि खेड़ उसी किस्म में दिया जाएगा।

9.2 अखबारी कागज की बकाया माला के आवंटन के लिए आवेदन पत्र बकाया माला की दूसरी किश्त उठा लिये जाने के प्रमाण सहित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को 30 सितंबर, 1989 तक विद्युत रूप में भेज दिए जाने चाहिए।

10. अखबारी कागज का अप्राप्तिकृत प्रयोग

यद्यपि संबंधित समाचारपत्र का स्वामित्व वही हो या उससे अपनी प्रपत्ती हक्कारी हक्कारे लेने की अनुमति दी गई हो तो भी कोई समाचारपत्र अखबारी कागज न लो हस्तांतरित कर सकता है और न ही इसे समाचारपत्र से प्राप्त कर सकता है। तथापि, भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक अपने विवेक से अखबारी कागज को अधिक से अधिक तीन महीने की अवधि के लिए एक समाचारपत्र में इससे समाचारपत्रों को उपरार के नीति पर हस्तांतरित करने की अनुमति दे सकते हैं बकारों कि दस्तावेज-कर्ता और हस्तानी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को ऐसे मामले की मूल्या 30 दिन के प्रस्तर भेज दें। कोई भी समाचारपत्र जो ऐसे अप्राप्तिकृत कार्य में लगा हो उसके विलम्ब कार्रवाई की जा सकती है जिसके अन्तर्गत उसकी हक्कारी की माला में से पूरी या अधिक कटीहो जी जा सकती है।

11. खपत के संबंध में प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना

11.1 जिस समाचारपत्र को अखबारी कागज का आवंटन किया जाता है वह भारत के समाचारपत्रों दे पंजीयक को फार्म एन.पी.-2 में वर्ष 1988-89 का निष्पादन और प्रमाण-पत्र 30 जून, 1989 तक प्रस्तुत करेगा। यदि प्रसार संख्या 2,000 प्रतियां प्रति प्रकाशन विवर में अधिक हो तो वार्टर्ड एकाउन्टेंट से विवित् प्राप्तिकृत होना चाहिए।

11.2 जिस समाचारपत्र का प्रकाशन निष्पादित या बदल हो जाता है वह प्रकाशन निष्पादन/बदल होने से एक महीने के सीधे फार्म एन.पी.-2 में निष्पादन और प्रमाण-पत्र भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक को प्रस्तुत करेगा। वह अप्रयुक्त अखबारी कागज भी भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के निवेदितों के अनुसार वापस करेगा।

12. बृहि दर और संशोधन

12.1 लाइसेंसिंग वर्ष के लिए अखबारी कागज को समस्त मांग का निर्धारण करने समय नए आवश्यकताओं और लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान प्रसार संख्या की विद्युत की व्यापार में रेते हुए 5 प्रतिशत की वृद्धि का प्रावधान किया जाएगा। तथापि प्रत्येक मामले पर मुश्किल के अनुसार विचार किया जाएगा।

12.2 जिस समाचारपत्र को वर्ष 1988-89 के लिए मूल हक्कारी प्राप्त हो गई हो वह इसके प्रसार और पृष्ठों में बढ़ीतरी के प्राधार पर प्राधिक आवंटन के पुनर्विचार के लिए वर्ष में एक बार आवेदन कर सकते हैं बकारों कि ऐसे प्रावेदन के साथ वार्टर्ड एकाउन्टेंट द्वारा विवित् प्रमाणित निष्पादन प्रमाण फार्म एन.पी.-2 में भेजा गया हो (जहां प्रसार 2,000 प्रतियों से प्रविधि हो) और जो 30 नवम्बर, 1988 को 8 महीने से कम अवधि का न हो। ऐसे प्रावेदन-पत्र विवित-पत्र तारीखों के अंकों को समूला प्रतियों सहित भारत के समाचारपत्रों के पंजीयक के कार्यालय में 31 दिसम्बर, 1988 तक पहुंच जाने चाहिए।

12.3 लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान हक्कारी पर मुश्किल के कारण उत्पत्त हुई अखबारी कागज की अतिरिक्त आवश्यकता निर्धारित अवधिकृत अखबारी कागज निवेदितों से पूरी की जाएगी; जहां तक ग्लैड अखबारी कागज का प्रस्तुत है ऐसी अतिरिक्त आवश्यकता भी स्वदेशी भोजी से या सुपर कैलेंडर कौमोदी पेपर को स्वदेशी किस्म, से पूरी की जाएगी।

13. अपवाद

इस नीति में किसी बात के होने हुए भी भारत सरकार का सुविधा और प्रसारण मन्त्रालय सम्मुचित और पर्याप्त कारणों से किसी भी अपेक्षा को छोड़ सकता है या इनमें से किसी भी उपत्रव्यवहार में बौल दे सकता है।

14. फार्म

फार्म एन.पी.-1, एन.पी.-2 तथा एन.पी.-3 के नमूने समग्र हैं

कार्म—एन. प.-1

अख्यारी कागज के इंवेन्ट के लिए समाचार पत्रों/नियतकालिक पत्रों के लिए इंवेन्ट कार्म

भाग—1

1. समाचार/नियतकालिक पत्र का नाम तथा मात्रा और अवधिकाल :
2. स्वेच्छी का नाम और नाम :
3. प्रकाशन का नाम :
4. प्रकाशन का स्थान :
5. मुद्रण का स्थान :
6. (क) दिनांक जब से समाचार पत्र/नियतकालिक पत्र नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है :
- (ख) भारत के सभी राज्यों के पंजीयक द्वारा यांत्रिक पंजीयक रण संस्था :
- (ग) जिला भविस्टेट के यहां नवीनतम घोषणा पत्र दाखिल किए जाने की तारीख :
7. संबंधित कार्रवाई अवधि तथा जनिक/निजी स्वामित्व अद्वितीय तथा नियेशकों/सामीकारी अद्वितीय का नाम :
8. समाचार पत्र/नियतकालिक पत्रों का नाम तथा अन्य विवरण जिनके अधिक स्वामी हैं :

समाचार पत्र का नाम	भाग तथा नियतकालिकिता	प्रकाशन का स्थान	यह उरकार द्वारा अख्यारी कागज मिलता है
1	2	3	4

9. वर्ष 1988-89 के लिए अपेक्षित अख्यारी कागज की मात्रा/मूल्य:

10. (क) अमरकृत विवरण अवधिकालीन :
- (ख) अधिकृत एजेंट का नाम यदि कोई हो :

11. वर्ष 1987-88 के द्वीपान खपत किया गया अख्यारी कागज का विवरण :

मद संस्था मात्रा मीट्रिक टनों में	किस्म		स्रोत	मूल्य
1	2	3	4	5

12. पिछला लाइसेंसिंग वर्ष जिसमें भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक के कार्यालय से अख्यारी कागज लिया गया था (अव्याप्ति तथा स्वेच्छी अख्यारी कागज की मात्रा का उल्लेख कीजिए) :

13. (क) मरीन की विस्तृति :

(ख) अरबी भाषा की रीलों में या शीटों में जाहिएः

(ग) अंग्रेजी रीलों/शीटों का आकार :

प्रोपण।

1. मैं/हम एतद्वारा जांचा करते हैं कि ऐरी/हमारी प्रधिकारित जानकारी एवं विश्वास के अनुसार उपर विद्युत विवरण सत्य और सही है, । मैं/हम यह भली भावित उत्तमता है/अभक्षते हैं कि युक्ति/हमें जो भी आवंटन प्रस्तुत विवरण के आधार पर दिया जाएगा, वह यह सिद्ध हो जाता है कि विद्युत विवरण गलत या असत्य है, जो कह किसी अस्य जुमने के अलावा, जो सरकार लगा उकती है अथवा अस्य कोई कार्यवाही, जो की जा सकती है मामने की परिस्थितियों को घ्यान में रख कर रहा करने योग्य है।

2. मैं/हम यहीं प्रोपण करता हूँ/करते हैं कि आर अरबी भाषा की आवंटन विद्या जाता है तो यह केवल हमारे उपर विद्युत पते के प्रैस लहरा/संस्थान में प्रयुक्त होगा।

मैं/हम यह भी अस्ती तरह उत्तमता/अभक्षते हैं कि आरणी बद्र की गई मद(रों) का आवंटन या रानीबद्र एजेंसी के जरिए आयात आपार नियन्त्रण के अन्तर्गत किया जाता है और जिन शर्तों पर माल की निकासी उपयोग के लिए जाती है ऐसी बस्तुओं के किसी दुष्प्रयोग करने के उल्लंघन प्रायात तथा नियात नियन्त्रण अधिनियम । 947, यदा संशोधित तथा उसके अन्तर्गत नियंत्रण आदेश की अवकाशों की ओर अकृष्ट होगा।

4. मैंने/हमने आयात नीति/आयात नियात प्रक्रिया 1988-9। की हस्त-पुस्तक के प्राप्तिगत उपबन्धों को नोट कर लिया है।

स्थान :

प्रकाशक के हस्ताक्षर

तारीख :

ताम स्पष्ट अक्षरों में.....

पता

एन.पी. - 2

1-4-87 से 31-3-88 तक की अवधि के लिए प्रायार आविसंबंधी नियादन विवरण प्रमाण-पत्र का फार्म

1. समाचार रपत/नियन्त्रण सिक्क पत्र का नाम :

2. प्रकाशन का स्थान :

3. भाषा :

4. आधिकारिक (प्रीरियोडिसिटी) :

5. महीने के दौरान :

अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
87	87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88

1. आस्तविक प्रकाशन विवरणों

की संख्या :

2. प्रति प्रकाशन विवरण प्रकाशित

प्रतिवर्षी की औसत संख्या :

3. प्रति प्रकाशन विवरण बेसी गई

प्रतिवर्षी का औसत संख्या :

4. प्रति प्रकाशन विवरण मुफ्त वित्त-

रित (भागीर्ध वाउचर, बिनि-

मय, बोनस, न्युलैंगं कार्यालय

प्रतिवर्षी सहित) की गई प्रतिवर्षी

की औसत संख्या :

5. अनिवार्य वापिस की गई और अस्य

मुद्रित प्रतिवर्षी की औसत संख्या

जो (3) और (4) में शामिल

नहीं की गई।

भाग 2(एन.पी.-1)

प्रायकर घोषणा

(अ) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय कर योग्य नहीं है : मैं/हम एतद्वाया गत्य मिष्टा से घोषणा करता हूँ/करते हैं, कि मैं/हम जिसी भी आयकर एवं अधिकार कर के उत्तरवायी नहीं हूँ/हैं क्योंकि मेरी/हमारी आय, जागू लेका वर्ष एवं गत आर लेका वर्षों में उम उच्चतम सीमा से कम रही है जिस पर आयकर नहीं सगता ।

(ब) उन व्यक्तियों के संबंध में जिनकी आय आयकर योग्य है : मैं/हम एतद्वाया सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि—

(1) मैंने/हमने अपनी आज तक की आय से आपनी/हमारी देय राशि का अधीरा/अधीरे आयकर विभाय को दे दिया है ।

(2) मैंने/हमने उन्हें कर मार्गों को छोड़कर जो सकाम प्राधिकारी द्वारा स्वयं कर दिए गए हैं, के अतिरिक्त मेष सभी करों सहित अपनी कर जो है पर आयकर अधिनियम के अस्तर्गत देय थे उनका भुगतान कर दिया है ।

(3) मैं/हम आयकर/समाप्ति कर छिपाने के आरोप में गत तीन कमण्डर वर्षों द्वैराम विष्टि*सिद्ध दोष घोषित नहीं किया गया/किए गए हैं ।

(4) मैं/हम एतद्वाया सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त घोषणा उन कंपनियों जिनमें मेरे/हमारे प्रचुर हित **निहित है/या उन व्यक्तियों की फर्मों/एसोसिएशन जिसका मैं/हम अवधार या सदरूप है/हैं, में भी सारू होते हैं ।

या

उपरोक्त घोषणा उन व्यक्तियों के लिए भी सारू होती है जो कि आवेदक कर में या आवेदक एसोसिएशन के सदस्यों या आवेदक कर्म के भागीवार में

प्रचुर हित ** रखते हैं ।

हस्ताक्षर
पना

स्वार्इ खाता ने
निर्धारण करने वाले आयकर अधिकारी का पत्र
निर्धारण योग्य

*यदि जुमनि की लेवी के विरुद्ध कोई अपील की गई है और अपील आयकर सहायक भावुकत या आयकर अपील अधिकारण में रकी पड़ी है तो, ऐसी सजा (पेनल्टी) इस घोषणा के लिए नहीं सी जानी चाहिए ।

**"प्रचुर हित" शब्दों का वही अर्थ है जो कि आयकर अधिनियम, 1961, सेक्षन 40(ए) (2) में स्पष्ट है ।

प्रतीत	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्टूबर	नवंबर	दिसंबर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अर्थ का
	87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88

6. प्रकाशित समाचारपत्र/नियतकालिक पत्र का ओसत आकार (वा से.मी. में)
7. प्रति अंक पृष्ठों की ओसत संख्या
8. प्रति प्रकाशन विवर प्रकाशित पृष्ठों की ओसत संख्या
9. अर्थ के दौरान (1) आयातित अखबारी कागज की (2) स्वरेणी कुल खपत (टनों में)
10. अर्थ 1987-88 के दौरान सफेद प्रिंटिंग कामज की कुल खपत (टनों में)
11. आयात संबर्धन (पार.ई.पी.लाइसेंस) योजना के अस्तर्गत हासिल की गई अखबारी कागज की खपत और 1987-78 के दौरान की गई खपत ।

प्रकाशक के हस्ताक्षर
स्पष्ट असरों में नाम
विवाक

राजदी सेक्यापाल का प्रमाणपत्र

मैंने/हमने वर्ष 1987-88 के दौरान प्रकाशित संख्या— (पत्र का नाम, भाषा और आवधिकता) के पुस्तकों और लेखों की जांच कर ली है और मैंने/हमने अपेक्षित सभी जानकारी और विवरण प्राप्त कर लिया है। मेरे/हमारे विवर में वर्ष 1987-88 के लिए दिवा गया उपरोक्त विवरण मेरी, हमारी जानकारी एवं लेखों पुस्तकों के अनुसार प्रदत्त विवरण में प्रसार लंब्या, पृष्ठ की संख्या, आकार और प्रकाशन दिवसों की संख्या का मर्यादा का मर्यादा एवं मर्यादा लेखण करता है।

दिनांक

हस्ताक्षर

सम्मी सेक्यापाल की भोद्धर

1. उस अवक्षित का नाम एवं हस्ताक्षर जिसने प्रमाणपत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।
2. पंजीकरण संख्या
3. पता

नोट : 1. यदि वर्ष के लिए औसत प्रसार संख्या, 2,000 प्रति प्रकाशन दिवस से अधिक हों तो प्रमाणपत्र मन्त्री सेक्यापाल के नामांकन-पत्र पर टाइप होना चाहिए और उसके द्वारा विधिवत् प्राप्त हस्ताक्षरित होने चाहिए।

2. सभी जीसें महीनेवार संख्यित भास के दौरान निष्पादन के ब्योरे के, आवार पर लिए जाएं।
3. (7) में दिये जाने वाले आंकड़ों, भास के दौरान प्रकाशित सभी अंकों के कुल पृष्ठों के जोड़ को उस भास के कुल प्रकाशन दिवसों की संख्या से भाग करके प्राप्त किए जा सकते हैं जबकि (8) में लिए जाने वाले आंकड़ों का हिस्सा इस प्रकार होगा :—

एक अंक के पृष्ठों की संख्या को उसके अंक के कुल प्रकाशित प्रतिवर्षों की संख्या से गुणा करने से तत्त्वावधी प्रकाशन दिवस की कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या निकल प्राप्त होती है। महीने के सभी प्रकाशन दिवसों के कुल प्रकाशित पृष्ठों की संख्या को जोड़ लेना चाहिए। मासिक औसत वर्षावार प्राप्त करने के लिए इस कुल संख्या को उस भास के कुल प्रकाशन दिवसों की कुल संख्या से भाग किया जाना चाहिए।

फार्म एस.पी. 3

प्रथम बार आवेदन करने वाले ईनिक/नियन्त्रकालिक पत्रों के अधिकारी कागज के मार्बंदन के लिए आवेदन फार्म

1. समाचारपत्र/नियन्त्रकालिक पत्र का विवरण :

(क) नाम :

(ख) भाषा :

(ग) आवधिकता :

(घ) प्रकाशन का स्थान :

(ङ) पंजीयन संख्या :

2. लक्षीनदम धोकापत्र दर्खिल करने की तारीख :

3. प्रकाशन के मार्कम करने की तारीख :

4. प्रस्तरवित मुद्रण हेतु प्रतिवर्षों की औसत प्रस्तावित संख्या :

(क) विक्री की गई :

(ख) मूल्य वितरित की गई :

5. मुद्रण का स्थान और मूद्रणालय का व्योरा :

(क) मूद्रणालय के मालिक का विवरण :

नाम :

पता :

(ख) छपाई की धमता :

प्रनाली, मालिक, प्रति घंटा गति तथा महीने की वर्तमान भाषा का उल्लेख करते हुए छपाई/कार्बोरिंग महीन का विस्तृत विवरण :

6. क्या अधिकारी कागज एजेंट द्वारा उठाया जायेगा :

7. यदि हां, तो एजेंट का विवरण लिखिये :

(क) नाम :

(ख) पता :

(ग) क्या उनका नाम भार.एस.पी. की सूची में है :

8. अधिकारी कागज को किसी में व्यवसा एवं ही भार में बकर स्टाक/हाई.सी सेल से उठाने की अवधि :

9. स्वामी का नाम और पता :

पोषण

मैं/हम इस बात की धोकणा करता हूं/करते हैं कि उपरोक्त विवरण मेरे/हमारे विष्यास और जानकारी के अनुसार सत्य और ठीक है।

स्वामी :

प्रकाशक के हस्ताक्षर

तारीख :

नाम स्पष्ट अवरों में

पता :

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 23rd August, 1988

Public Notice No. 1-PR-NP|88

F. No. 2|9|88-MUC.—In terms of para 6 of Appendix 5-Part B to the Import and Export Policy for April, 1988—March 1991 the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting hereby notify the Newsprint allocation Policy for the licensing year April 1988—March 1989 as given in the Annexure.

K. S. BAIDWAN, Jr. Secy.

ANNEXURE
NEWSPRINT ALLOCATION POLICY 1988-89

1. Applicability,

This Policy is applicable to the allocation of newsprint to which the Import and Export (Control) Act, 1947, Imports (Control) Order, 1955 and Newsprint Control Order, 1962 as amended from time to time, apply during the licensing year 1988-89 subject to such modifications as may be notified from time to time.

2. Definition

2.1 In this Policy a "newspaper" shall mean any printed periodical work containing public news or comments on public news" as defined in the Press and Registration of Books Act 1867, as amended from time to time.

2.2 The expression "newsprint" used in this Policy includes such cream wove paper and super calender cream wove paper as may be allocated by the RNI in terms of this Policy.

3. Eligibility

3.1 Newsprint shall be allocated by the Registrar of Newspapers for India on submission of a formal application to such newspapers as are registered with the Registrar of Newspapers for India in accordance with the relevant provisions of the Press and Registration of Books Act 1867 as amended from time to time. A newly registered newspaper shall be eligible for allocation of newsprint from the date of registration or the date of application, whichever is later.

3.2 A newspaper shall be eligible for allocation of newsprint if it has a regularity of 90 per cent in case it is daily newspaper and 66-2/3 per cent in case it has any other periodicity, save in such cases where the shortfall in regularity has arisen because of reasons beyond the control of the publisher viz. strikes, lock-outs, go-slow, power shortage or similar causes.

2155 GI/88-1

3.3 Allocation of newsprint may also be authorised by the Registrar of Newspapers for India for the following :—

- (i) Transmission of news over teleprinters by news agencies;
- (ii) Trial printing by newspapers; and
- (iii) Printing of college and school magazines.

3.4 The following categories of publications although these may be registered with the Registrar of Newspapers for India as newspapers shall not be eligible for allocation of newsprint under this Policy :—

- (i) Journals published primarily to promote sale of goods or services;
- (ii) House journals|magazines brought out by undertakings|firms|industrial concerns;
- (iii) Price Lists, catalogue directories and lottery news;
- (iv) Racing guides; and
- (v) Sex magazines.

4. Entitlement

4.1 The basic entitlement of newsprint for the licensing year 1988-89 of a newspaper|periodical will be determined on the basis of its consumption of newsprint, average annual circulation, average number of pages, average number of publishing days and average page area published during the preceding year. The entitlement of the licensing year will, however, be calculated for 365 days. The quantity of Writing and Printing Paper etc., consumed during 1987-88 will be taken into account only if it is over and above the quantity of newsprint allocated to the newspaper by the Registrar of Newspapers for India.

4.2 All the editions of a newspaper|periodical bearing the same title, having the same periodicity, published in the same language and owned by the same owner either published from the same place or from different places, would be clubbed together and their category and entitlement of newsprint will be calculated on the basis of performance particulars in respect of all the editions taken together.

4.3 A newspaper|periodical whose circulation claim has been declared unestablished by the Registrar of Newspapers for India will not be eligible for newsprint unless the circulation has been re-established for the same year or until the circulation has been re-established for a subsequent year. In case of newspapers|periodicals whose circulation has been assessed by the Registrar of Newspapers for India to be lower than the claimed circulation in the past, the entitlement will be worked out on the basis of the circulation as assessed by the Registrar of Newspapers for India. Such a newspaper|periodical will not be eligible for revision of its entitlement during the licensing year. In case, a newspaper|periodical is found to have given a false statement about its performance or circulation, it shall render itself

liable for being debarred from allocation of newsprint for a specific period which may extend upto one year in the manner indicated below :—

Exaggeration	Debarred for
Upto 10 per cent	Exempted
Above 10 per cent & upto 25 per cent	3 months
Above 25 per cent & upto 50 per cent	6 months
Above 50 per cent & upto 75 per cent	9 months
Above 75 per cent	One year

4.4(a) A fresh applicant who commences publication for the first time or otherwise approaches the Registrar of Newspapers for India for the first time for allocation of newsprint will be allowed an initial quota of newsprint for four months as determined by the Registrar of Newspapers for India upon his satisfaction of the projection of circulation by the applicant, subject to a maximum of 10,000 (ten thousand) copies per issue of 8 standard pages (2460 sq. cms.) in the case of dailies and 16 standard pages in the case of periodicals. Such a newspaper as receives initial quota of newsprint should produce within a fortnight after three months of the release of newsprint evidence of proper utilisation of newsprint in Form NP-II. Thereafter, its entitlement during the licensing year will be determined on the basis of actual performance and the balance quota, if any, shall be released on submission of a formal application.

4.4 (b) A newspaper which has failed to apply for newsprint during the preceding year shall be treated as a fresh applicant unless such failure has been for reasons beyond the control of publisher. This provision will, however, not apply to newspapers which are treated as clubbed for allocation of newsprint.

4.4. (c) In case a newspaper changes its periodicity, it will be treated as fresh applicant for the purposes of allocation of newsprint.

4.4 (d) A fresh applicant will be entitled to get newsprint from the date of receipt of its application in the office of the Registrar of Newspapers for India.

4.5 The circulation of a newspaper will be determined by taking into account, (a) the number of copies sold, and (b) the number of copies distributed free, returned unsold or printed but neither sold nor distributed free provided these do not exceed the following percentage of the respective print order :

Circulation	Dailies/ tri & bi- weeklies	Weeklies and fortnightlies	Others
Upto 5,000	10%	15%	20%
From 5,001 to 10,000	10%	10%	15%
Above 10,000	5%	5%	10%

4.6 In working out the basic entitlement, RNI may, as considered appropriate by him in each case and relying on the normal average consumption, ignore :

- (i) abnormal short-term fall in circulation arising from special circumstances including strikes/lock-outs or other similar reasons; and
- (ii) abnormal short-term increase in circulation attendant upon the closure/disruption of working of competing newspapers or any other extraordinary circumstances.

4.7 If a newspaper had not utilised any portion of newsprint allotted to it during any previous year, the unutilized quantity will be deducted from its entitlement for 1988-89.

4.8 Extra newsprint upto the limits indicated below will be allowed to newspapers as wastage compensation :—

(i) For all newspapers	5%
(ii) For periodicals in the case of multi-coloured printing	7%

4.9 The basic entitlement of a newspaper for imported newsprint as also for indigenous newsprint, inclusive of wastage compensation, will be worked out on the basis of 50 GSM. Actual release will be made after making proportionate adjustments as per the grammage of newsprint involved.

5. Procedure for Submission of Applications :

5.1 Applications for allocation of newsprint should be made by the publisher or a person duly authorised by him in this behalf in Forms NP-1 and NP-2 and should be addressed to the Registrar of Newspapers for India, West Block-VIII, Wing-2, R. K. Puram, New Delhi-110066.

5.2 Applications for allocation of newsprint should be accompanied by : (a) performance particulars certificate for the preceding year in Form NP-II; (b) a copy of the Annual Statement for the calendar year 1987, complete in all respects; and (c) specimen issues of the newspaper as specified by the RNI. In the case of the newspaper whose average circulation exceeds 2000 copies per publishing day, its performance particulars certificate should be duly signed by a Chartered Accountant.

5.3 Applications for initial quota by newspapers vide para 4.4(a) should be made in Form NP-3.

6. Last Date :

6.1 The last date of receipt for applications for allocation of newsprint for the year 1988-89 is 30th September, 1988.

6.2 All applications received thereafter are liable to be rejected. However, if the applicant gives the valid reason and the delay is not attributable to the applicant, RNI may consider the request on merits. In such cases newsprint will be given from the date of receipt of application in the RNI office.

7. Allotment of newsprint

7.1. Allotment of newsprint will generally be made in reels. A newspaper printed on sheet-fed machine will, however, receive its entitlement only in sheets. In case, sheets are not available, the entitlement will be raised by 5 per cent for conversion of reels into sheets on giving proof that printing is actually carried out only in sheets.

7.2. A newspaper with an entitlement of 200 metric tonnes or below will have the option to obtain indigenous or imported newsprint either in part or in full.

7.3. (a) The allocation of newsprint for a newspaper whose entitlement is above 200 metric tonnes will be as follows :—

Imported	32%
Mysore Paper Mills Ltd.	17%
Hindustan Newsprint Mills Ltd. (Kerala)	19%
Tamilnadu Newsprint & Papers Ltd.	17%
National Newsprint & Paper Ltd. (NEPA)	15%

The above percentages are indicative. The servicing of the imported newsprint is subject to the availability of foreign exchange. In the event of any shortfall in the availability of imported newsprint, the newspaper will have the option to obtain cream wove paper within the overall allocations made by the RNI.

7.3. (b) Newsprint produced by Sree Rayalseema Paper Mills Pvt. Ltd. will be utilised for servicing of backlog as mentioned in Para 9 of this Policy and adhoc allocations to be decided by RNI on merits.

7.4. 25% of the imported newsprint should be lifted from State Trading Corporation's buffer stock. Newspapers, periodicals with annual entitlement of 50 MT or below will have the option to lift the entire quantity or part thereof from buffer stock.

7.5. Only periodicals which have been in regular publication and have multi-coloured printing requirement may be allocated glazed newsprint and/or super calender cream wove paper subject to availability. Fresh applications will be considered on merits.

7.6. In the case of a fresh applicant, who commences publication for the first time or otherwise approaches Registrar of Newspapers for India for newsprint for the first time only indigenous newsprint will be allocated to it for the first twelve months from the date of receipt of application. Further entitlement will be released only after proof is adduced that the quota released in indigenous newsprint has actually been lifted and consumed by the newspaper concerned.

7.7. The allotment from different sources may be revised/varied for such reasons as the availability of newsprint, maintenance of buffer stock or any other reason.

7.8. If a shipment is not effected within 120 days of receipt of letters of credit by State Trading Corporation, efforts will be made to allot proportionate tonnage from the buffer stock on high seas sale basis which will be later replenished.

8. Distribution.

8.1 The work relating to distribution of imported newsprint will be handled entirely by the STC as authorised by the RNI in accordance with this Policy and in compliance with the provisions of the Newsprint Control Order, 1962.

8.2 A newspaper which is given allotment on high seas sale basis will be allowed to take delivery directly or through its duly authorised agent(s).

8.3 Authorisations for the entitlement of newsprint will be issued by the Registrar of Newspapers for India on quarterly basis on receipt of formal request along with the proof of lifting of newsprint allocated as per the previous authorisation(s). Authorisations for indigenous newsprint will be issued direct to the mills concerned. In case the annual entitlement of a newspaper is 50 metric tonnes or less, the RNI may in his discretion allocate newsprint to such newspapers on annual basis or as otherwise deemed appropriate.

8.4 A newspaper shall lift its allotment from high seas sale of buffer stock or from indigenous mills within three months from the date of issue of authorisations. Wherever applicable, it shall be incumbent upon the newspaper to first lift the indigenous quantity. Allocations for the subsequent quarters will be made on the basis of the lifting of newsprint during the previous quarter(s) and imported newsprint shall be withheld proportionate to the quantity not lifted from the scheduled indigenous newsprint mills. Whatever quantity of imported newsprint remains withheld at the end of licensing year on account of non-lifting of indigenous newsprint, shall stand forfeited along with the non-lifted quantity of indigenous newsprint.

8.5 Revalidation of an authorisation will be allowed by the Registrar of Newspapers for India during the licensing year, considering each case on merits.

8.6 If a newspaper is found to have given a false certificate about the lifting of indigenous newsprint allocated to it, it may be debarred from further allocation of newsprint for a specified period which may go upto one year.

9. Backlog.

9.1 As provided in Para 9.1 of the Newsprint Allocation Policy for 1986-88, the third and last instalment of unserviced quantity of backlog from 1982-83 to 1985-86 will be serviced during the licensing period 1988-89 to only those newspapers who may have lifted the first and second instalment of the said backlog. The backlog of standard newsprint will be given from indigenous sources, while that of glazed will be given in the same variety.

9.2 Applications for allocation of unserviced quantity of newsprint should be made to the RNI in writing with lifting proof of second instalment of backlog latest by 30th September 1988.

10. Unauthorised use of newsprint :--

No newspaper shall transfer to or receive from another newspaper, newsprint even though the concerned newspapers have the same ownership or have been allowed to club their entitlement. However, the RNI may, in his discretion, allow such transfers of newsprint by one newspaper to another by way of loan for a period not exceeding three months provided the transferer and the transferee give intimation to the Registrar of Newspapers for India within 30 days thereof. A newspaper indulging in such unauthorised transactions may render itself liable to action which may extend to deduction in full or part of the quantity involved from its entitlement.

11. Submission of Certificates regarding Consumption :--

11.1 A newspaper which is allotted newsprint shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate for 1988-89 in Form NP-II not later than 30th June, 1989 duly certified by a Chartered Accountant if the circulation is over 2,000 copies per publishing day.

11.2 A newspaper which suspends or ceases publication shall submit to the Registrar of Newspapers for India a Performance Particulars Certificate in Form NP-II within a month of suspension/cessation of its publication. It shall also surrender the newsprint not utilised by it as per directions of the Registrar of Newspapers for India.

12. Growth Rate and Revision :--

12.1 While assessing the overall demand of newsprint for the licensing year, provision shall be made

for growth of 5 per cent to take care of the requirements arising from fresh applicants and increase in circulation during licensing year. Each case shall however be considered on its merits.

12.2 A newspaper which secures the basic entitlement for 1988-89 can apply once during the year for upward revision of the allocation on the basis of increase in its circulation and number of pages, provided such an application is accompanied by performance certificate in Form NP-2 duly certified by Chartered Accountant (where circulation is more than 2000 copies) and covers a period of not less than 8 months as on 30th November 1988. Such applications should reach the Office of the Registrar of Newspapers for India along with sample issues of different dates by 31st December 1988.

12.3 Additional requirements of newsprint arising from the revision of entitlements during the licensing year shall be serviced from the scheduled indigenous newsprint mills. In the case of glazed newsprint also such additional requirements shall be serviced from the indigenous sources, viz. indigenous variety of super calender cream wove paper.

13. Exceptions :--

Notwithstanding anything contained in this Policy, the Government of India in the Ministry of Information and Broadcasting may waive any of the requirements or relax any of these provisions for good and sufficient reasons.

14. Forms :--

Specimen Forms NP-I, NP-II and NP-III are attached.

FORM NP-1

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO NEWS PAPERS/PERIODICALS

PART-I

1. Name of the Newspaper/Periodical and Language and periodicity
2. Name and Address of the Owner
3. Name of the Publisher
4. Place of Publication
5. Place of Printing
6. (a) Date from which newspaper/periodical is regularly published.
6. (b) Registration Number as given by Registrar of Newspapers for India
6. (c) Date of filing the latest declaration with District Magistrate
7. Nature of concern i.e. public/private proprietorship etc. and name of Directors/Partners etc.
8. Name and particulars of other newspaper/periodicals owned

Title of the paper	Language & periodicity	Place of Publication	Whether getting newsprint through Govt.
--------------------	------------------------	----------------------	---

(1)

(2)

(3)

(4)

9. Quantity/Value of newsprint required for 1988-89.
10. (a) Phased delivery requirement
(b) Name of the agent authorised, if any
11. Particulars of newsprint consumed during 1987-88

Item No	Qty. in Mts.	Variety	Source	Value
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

12. Last licensing year in which newsprint was taken from the Office of RNI (specify quantity of indigenous and imported newsprint)
13. (a) Type of Machines
(b) Whether newsprint required in rolls or
(c) Size of rolls/sheets required

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statements are true and correct to the best of my/our knowledge and belief. I/We fully understand that any allotment made to me/us on the basis of the statement furnished is liable to cancellation, in addition to any other penalty that the Govt. may impose or any other action that may be taken having regard to the circumstances of the case if it is found that any of the statement or facts herein are incorrect or false.

2. I/We declare that the newsprint, if allotted, will be used in our press/premises/establishments at the above mentioned address.

3. I/We also fully understand that the allegation of canalised item(s) through the canalising agency is made under the Import Control Regulations and violation of the condition on which such goods are released to me/us and any misuse of such goods will attract the provisions of Imports and Exports (Control) Act, 1947 as amended and orders issued thereunder.

4. I/We have noted the relevant provisions contained in the Import Policy/Hanji Book, of Import Export Procedure 1988-91.

Signature of.....
the Publisher

Place :

Name in Block letters

Date :

Address.....

PART-II

INCOME TAX DECLARATION

(a) In case of persons not having taxable income

I/We hereby solemnly declare that I/We are not liable to pay any Income Tax including advance tax as the income earned by me/us during the current accounting year and last four accounting years has been below the maximum limit not chargeable.

(b) In case of persons having taxable income

1. I/We have furnished to the Income-tax Department the return(s) of income due from me/us till date.
2. I/We have paid all taxes including advance tax due from me/us under the Income Tax Act other than the tax demand which has been stayed by the Competent Authority.
3. I/We have not been *penalised/convicted for concealment of income/wealth during the last three calendar years. I/We hereby solemnly declare that the above declaration also applied in case of companies in which I/We am/are holding substantial **interest or the firm or associations of persons in which I/We am/are Partner(s) or member(s).

OR

This is applicable in case of persons having substantial interest in the applicant Company or in joint association or Partners of the Applicant firm.

Place :
Signature of the owner

Address

Permanent A/C No.

Designation of the

ITO with whom assessed

Assessable

*If an appeal has been filed, against the levy of penalty and the appeal is pending before the Appellate Assistant Commissioner of Income Tax Appellate Tribunal, such penalty need not be taken for the purpose of this declaration.

**The words "substantial interest" shall have the same meaning as in the explanation to Section 40A(2) of the Income Tax Act 1961.

FORM NF-II

FORM OF PERFORMANCE PARTICULAR CERTIFICATE REGARDING CIRCULATION ETC. FOR THE PERIOD
FROM 1-4-1987 TO 31-3-1988

1. Name of the Newspaper/Periodical
2. Place of Publication
3. Language
4. Periodicity
5. During the month of

G

Apr.	May	June	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	Mar.	Average for the year
87	87	87	87	87	87	87	87	87	88	88	88	

- (i) Actual number of publishing days.
- (ii) Average number of copies printed per publishing day
- (iii) Average number of copies sold per publishing day
- (iv) Average number of copies distributed free per publishing day (including complimentary, voucher exchange, bonus, sample and office copies)
- (v) Average number of unsold returns and other copies printed but not included in (ii) & (iv)
- (vi) Average size of the newspaper/periodical published (in sq. cms.)
- (vii) Average number of pages per issue
- (viii) Average number of pages printed per publishing day
- (ix) Total consumption of newsprint during the year (in tonnes)
 - (a) imported
 - (b) indigenous
- (x) Total consumption of white printing paper during the year 1987-88 (in tonnes)
- (xi) Consumption of newsprint obtained under the scheme of Export Promotion (REP licences) and consumed during 1987-88.

(Signature of the publisher)

(Name in Block Letters)

Date

CERTIFICATE OF CHARTERED ACCOUNTANT

I/We have examined the books and account of M/s. name, language and periodicity of the paper published, for the year 1987-88 and have obtained all the information and explanation required by me/us. In my/our opinion the statement set forth above reflects true and correct analysis of circulation, page, size and number of publishing days for the year 1987-88 to the best of my/our information and belief and according to the explanation given to me/us by the books of account etc.

Date

Signature

Stamp of the Chartered Accountant.

1. Name and signature of the person who has signed the certificate.....
2. Registration No
3. Address

Note :

1. If the average circulation for the year is more than 2,000 copies per publishing day, the certificate should be typed on the letter-head of the Chartered Accountant and should be duly countersigned by him.

2. All the averages have to be given monthwise on the basis of the particulars of performance during the relevant month.

3. The figures to be given against (vii) should be arrived at by adding the total number of pages of all the issues published during a month and dividing the total by the number of publishing days in that month, while the figures against (viii) should be worked out like this : The number of pages of an issue multiplied by the total number of copies printed of that issue will give the information about the total number of pages printed on the relevant publishing days. The total number of pages printed on all the publishing days in a month should be added. The monthly averages should be arrived at by dividing this total by the total number of days in that month.

FORM NP-III

APPLICATION FORM FOR ALLOTMENT OF NEWSPRINT TO DAILIES/PERIODICALS APPLYING FOR THE FIRST TIME

1. Particulars of the Newspaper/Periodical :—

- (a) Name
- (b) Language
- (c) Periodicity
- (d) Place of Publication
- (e) Registration Number

2. Date of filing the latest Declaration :

3. Date of commencement of the Publication :

4. Average number of copies proposed to be printed :

- (a) Sold
- (b) Distributed free

5. Place of printing and particulars of the Press :

- (a) Particulars of the owner of the Press :

Name : _____
Address : _____

(b) Printing capacity :

Details of printing/composing machine indicating the make, model, speed per hour and present life of the machine.

Whether newsprint is to be lifted through agent :

7. If so, the particulars of the agent :

- (a) Name
- (b) Address
- (c) Whether listed with RNI

8. The term of lifting newsprint in instalments or in one lot—buffer stock/high seas sale:

9. Name and address of the Owner :

DECLARATION

I/We hereby declare that the above statement is true and correct to the best of my/our knowledge and belief.

Signature of the Publisher.....

Place :

Name in Block Letter

Date :

Address.....